Adiwasi Arts & Commerce College Santrampur

Department Of Hindi

Departmental Activities

2018-19

31 जुलाई प्रेमचन्द जन्म जयंति

31 जुलाई प्रेमचन्द जन्म जयंति के उपलक्ष्य में दिनांक 31 जुलाई मंगलवार 2018 को विशेष व्याख्यान का हिन्दी विभाग की ओर से आयोजन हुआ। इस विशेष व्याख्यान में विषय विशेषज्ञ के रूप में सौराष्ट्र विश्वविधालय में सेवारत्त हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. बी. के. कलासवा की विशेष उपस्थिति रही थी।

प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष में व निबंध एवं वक्तृत्व प्रतियोगिता

31 जुलाई प्रेमचन्द जन्म जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 31 जुलाई मंगलवार 2018 को विशेष व्याख्यान के अलावा सुबह 8.00 से 10.00 बजे तक क्रमशः निबंध प्रतियोगिता और वक्तृत्व स्पर्धा का भी आयोजन हुआ। इसमें हिन्दी विभाग के तमाम सेमेस्टर के छात्रों ने बढ़चढकर हिस्सा लिया था।

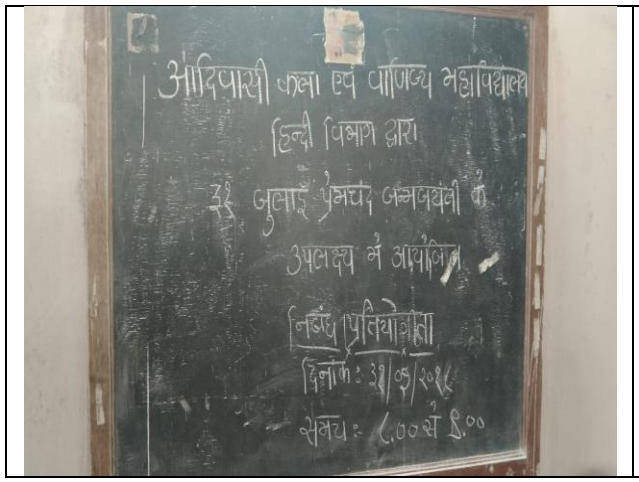

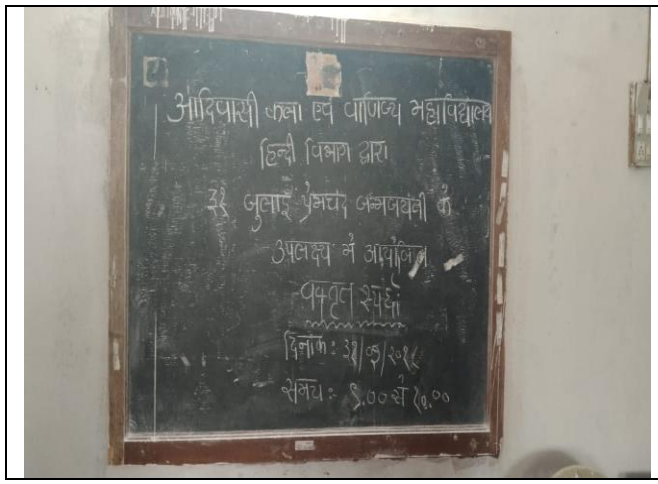

आंतर कॉलेज व्याख्यान

दिनांक 12 सितम्बर 2018 बुधवार को आंतर कॉलेज व्याख्यान श्रेणी अंतर्गत आर्ट्स कॉलेज, मालवण से हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. जिलेदारसिंह राजपूत ने विशेष व्याख्यान से हमारे महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के छात्रों को लाभान्वित किया। आप ने सेमेस्टर-3 कोर & इलेक्टिव- 201 में अभ्यासक्रम में शामिल काव्य रचना 'नर हो न निराश करो मन को' कवि मैथिलीशरण गुप्त का रसास्वादन कराया।

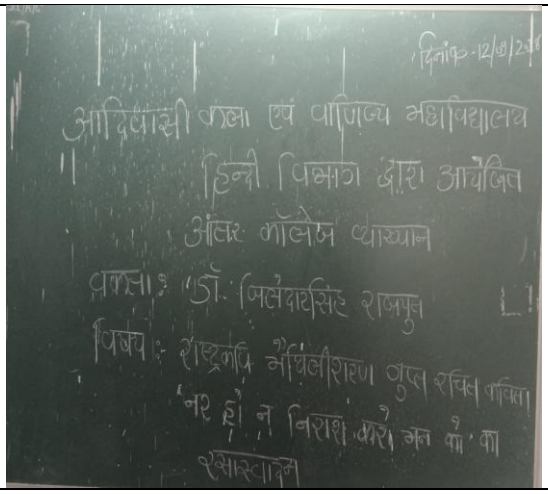

14 सितम्बर हिन्दी दिवस समारोह

14 सितम्बर 2018 शुक्रवार के दिन हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिन्दी दिवस समारोह' का हिन्दी विभाग की ओर से आयोजन किया गया। इस आयोजन में आर्ट्स कॉलेज, मालवण से प्रो. डॉ. विमल गढवी तथा हमारे ही महाविध्यालय के अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका एवं हिन्दी कवयित्री के रूप में ख्यात प्रो. डॉ. मालिनी गौतम की विशेष उपस्थिति रही। दोनों ही वक्ताओं ने अपने- अपने अंदाज़ में हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रुप में स्थापित होने में कौन-कौन-सी अड़चनें आ रही हैं, इसका ब्यौरेवार विश्लेषण कर हमारे छात्रों को विशेष रूप से अवगत कराया था।

एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद

08 फरवरी 2018 गुरुवार को गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर एवं आदिवासी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, सन्तरामपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'भूमण्डलीकरण और वर्तमान हिन्दी साहित्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया था। इसमें सरदार पटेल विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सेवारत्त अध्यक्ष प्रो. दयाशंकर त्रिपाठी परिसंवाद में अध्यक्ष के रुप में उपस्थित रहे थे। विशेष अतिथि के रूप में हमारे ही महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व छात्र और सन्तरामपुर विधानसभा के लोकप्रिय विधानसभ्य प्रो. डॉ. कुबेरभाई डींडोर की विशेष उपस्थिति रही। सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. डॉ. बी. के. कलासवा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे थे। बी. डी. आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद से डॉ. धीरज परमार तथा आर्ट्स कॉलेज, देवगढ़बारिया से डॉ. सुरेश पटेल भी परिसंवाद में वक्ता के रूप में न केवल उपस्थित रहे बल्कि अपने ज्ञान से प्रतिभागीओं को लाभान्वित भी किया था।

एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद

07 फरवरी 2018 बुधवार को गुजरात उर्दू साहिय अकादमी, गांधीनगर और आदिवासी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, सन्तरामपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'वर्तमान हिन्दी-गुजराती गज़ल पर उर्दू का प्रभाव' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया था। इस परिसंवाद में अध्यक्ष के रूप में मशहूर शायर खलील धनतेजवी उपस्थित रहे थे। इस परिसंवाद में हिन्दी गज़लकार डॉ. सुभाष भदौरिया, प्रि. सरकारी विनयन कॉलेज, शहेरा एवं अमरीका स्थित प्रसिद्ध गुजराती साहित्यकार प्रीतम लखलानी की विशेष उपस्थित रहे थे।

PROJECT WORK

हिन्दी विभाग सभी सेमेस्टर के छात्रों ने हिन्दी के मशहूर कवि व लेखकों व साहित्यकारों को लेकर अपने- अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये हैं, जिनमें आधुनिक हिन्दी साहित्य में प्रगतिवादी काव्यांदोलन के प्रतिनिधि कवियों में शुमार वैधनाथ मिश्र 'नागार्जुन' पर प्रोजेक्ट तृतीय वर्ष बी.ए. की छात्रा किरण मालीवाड ने तो हिन्दी साहित्य में कथा सम्राट से मशहूर प्रेमचंद पर प्रोजेक्ट द्वितीय वर्ष बी.ए. दो छात्रों ने हितेश प्रजापति और विशाल सोलंकी ने प्रस्तुत किया था। तृतीय र्ष बी.ए. के छात्र पारगी गिरीश ने हिन्दी कथा सम्राट प्रेमचंद को लेकर ही शानदार प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया, जो क्रमशः निम्नांकित है-